INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

UPSC IAS

सामान्य अध्ययन (हिंदी माध्यम)

पिछले वर्षों के

सोल्वड पेपर्स (व्याख्या सहित)

Module - 1 2000 -2010

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

UPSC IAS

सामान्य अध्ययन (हिंदी माध्यम)

(प्रारंभिक परीक्षा हेतु)

पिछले वर्षों के सोल्वड पेपर (व्याख्या सहित)

भाग – 1

वर्ष 2000 से 2010 तक

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत पुस्तक ***"UPSC IAS (सामान्य अध्ययन, हिंदी माध्यम) पिछले वर्षों के पेपर (व्याख्या सहित)"*** *को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। यह पुस्तक पाठकों को* ***संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)*** *द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा* ***"सिविल सर्विस एग्जाम (CSE)"*** *में पूर्ण संभव मदद करेंगे।*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : https://www.infusionnotes.com

WhatsApp - https://wa.link/0o4i74

Online Order - https://shorturl.at/lsOW7

मूल्य : (₹)

संस्करण : नवीनतम (2023-24)

यूपीएससी सिविल सर्विसेज (प्रा) परीक्षा

सामान्य अध्ययन पेपर I

सॉल्वड पेपर 2000 TO 2010

निर्देश

1. इस परीक्षण पुस्तिका में 100 प्रश्नांश (प्रश्न) दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्नांश में चार उत्तर विकल्प दिए गए हैं। इनमें से एक उत्तर को चुन लें, जिसे आप उत्तर-पत्रक पर अंकित करना चाहते हैं। यदि आपको ऐसा लगे कि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं, तो उस प्रत्युत्तर को अंकित करें, जो आपको सर्वोत्तम लगे। प्रत्येक प्रश्नांश के लिए केवल एक ही प्रत्युत्तर चुनना है।
2. इससे पहले कि आप परीक्षण पुस्तिका के विभिन्न प्रश्नांशों के प्रत्युत्तर उत्तर-पत्रक पर अंकित करना शुरू करें, आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ प्रेषित अनुदेशों के अनुसार कुछ विवरण उत्तर-पत्रक में देने हैं।
3. गलत उत्तरों के लिए दण्ड

- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार वैकल्पिक उत्तर हैं। अभ्यर्थी द्वारा उस प्रत्येक प्रश्न के लिए दण्ड है, जिसका वह गलत उत्तर देता है। इसके लिए नियत किए गए अंकों का एक-तिहाई दण्ड के रूप में काटा जाएगा।
- यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे गलत उत्तर माना जाएगा। यद्यपि दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही होता है फिर भी उस प्रश्न के लिए उसी तरह का दण्ड दिया जाएगा।
- यदि अभ्यर्थी कोई प्रश्न हल नहीं करता है अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं दिया जाएगा।

UPSC - 2000

1. सूची I को सूची II से सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

सूची I	सूची II
1.विकास कार्यक्रम	(A) संयुक्त राष्ट्र भारत मानव विकास रिपोर्ट
2. नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च	(B) भारत विकास रिपोर्ट
3. इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान	(C) विश्व विकास रिपोर्ट
4. विश्व बैंक	(D) मानव विकास रिपोर्ट

कूट-

I-D, II-A, III-B, IV-C

I-D, II-B, III-A, IV-C

I-B, II-C, III-A, IV-D

I-B, II-A, III-D, IV-C

उत्तर - C

व्याख्या-

सूची I और सूची II का सही मिलान इस प्रकार है:

1. विकास कार्यक्रम - (B) भारत विकास रिपोर्ट
2. नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च - (C) विश्व विकास रिपोर्ट
3. इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान - (A) संयुक्त राष्ट्र भारत मानव विकास रिपोर्ट
4. विश्व बैंक - (D) मानव विकास रिपोर्ट

भारत विकास रिपोर्ट आमतौर पर भारत में विकास कार्यक्रमों से जुड़ी है। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च आमतौर पर विश्व विकास रिपोर्ट से जुड़ा हुआ है। इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान संयुक्त राष्ट्र भारत मानव विकास रिपोर्ट से जुड़ा है। अंत में, विश्व बैंक अक्सर मानव विकास रिपोर्ट से जुड़ा होता है।

इसलिए, सही उत्तर है: I-B, II-C, III-A, IV-D

2. "..... लाखों श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं, जो वास्तव में काम करते हैं, में साझेदारी और सहयोगात्मक प्रदर्शन की भावना पैदा करें..." उपरोक्त अनुच्छेद किससे संबंधित है।

A. नियोजित विकास
B. सामुदायिक विकास
C. पंचायती राज व्यवस्था
D. एकीकृत विकास कार्यक्रम

उत्तर - B

व्याख्या- उपरोक्त अनुच्छेद सामुदायिक विकास से संबंधित है। सामुदायिक विकास एक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य स्थानीय संसाधनों को जुटाने और स्थानीय लोगों की भागीदारी के माध्यम से समुदाय में लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह विकास के लिए नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण है, ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण के विपरीत जो अक्सर सरकारों या अन्य बाहरी एजेंसियों द्वारा थोपा जाता है।

- परिच्छेद में "लाखों श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं, जो वास्तव में काम करते हैं, में साझेदारी और सहकारी प्रदर्शन की भावना पैदा करने की आवश्यकता का उल्लेख किया गया है।" यह सामुदायिक विकास का एक प्रमुख सिद्धांत है, जो यह है कि स्थानीय लोगों को विकास परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन में शामिल किया जाना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि परियोजनाएँ समुदाय की आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक हैं और उनके सफल होने की अधिक संभावना है।
- भारत में सामुदायिक विकास का उपयोग 1950 के दशक की शुरुआत से किया जाता रहा है। पहला सामुदायिक विकास कार्यक्रम 1952 में शुरू किया गया था, और तब से इसे देश के सभी हिस्सों तक विस्तारित किया गया है। सामुदायिक विकास का भारत में लाखों लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है और इसने कई समुदायों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद की है।

3. अध्यक्ष सदन के किसी सदस्य को बोलना बंद करने के लिए कह सकता है और दूसरे सदस्य को बोलने दे सकता है। इस घटना को कहा जाता है।

A. शिष्टाचार
B. मंजिल पार करना
C. पूछ-ताछ
D. मंजिल प्रदान करना

उत्तर - D

व्याख्या- दिए गए विकल्प, वर्णित घटना के लिए सही उत्तर है, जहां एक अध्यक्ष सदन के एक सदस्य को बोलना बंद करने और दूसरे सदस्य को बोलने देने के लिए कहता है, वास्तव में "संदर्भ छोड़ना" है। जब कोई अध्यक्ष किसी सदस्य से बोलने के लिए कहता है, तो इसका मतलब है कि वे उस सदस्य से अपना भाषण समाप्त करने और दूसरे सदस्य को बोलने की अनुमति देने का अनुरोध कर रहे हैं। सदस्यों के बीच निष्पक्ष और संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसदीय कार्यवाही में यह एक आम प्रथा है।

4. अध्यक्षीय भाषण देते समय कांग्रेस अध्यक्ष ने हिंदी भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने की वकालत की

A. महात्मा गांधी
B. जवाहर लाल नेहरू
C. अबुल कलाम आज़ाद
D. सुभाष चंद्र बोस

उत्तर - D

व्याख्या- सुभाष चंद्र बोस ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए हिंदी भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने का प्रस्ताव रखा था. दिया गया उत्तर विकल्प 4 है, सुभाष चंद्र बोस।

विकल्पों का विश्लेषण:

महात्मा गांधी - वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे और उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, लेकिन हिंदी के लिए रोमन लिपि की शुरुआत की वकालत करने का उनका कोई रिकॉर्ड नहीं है।

जवाहरलाल नेहरू - भारतीय राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्ति और भारत के पहले प्रधान मंत्री। गांधी जी की तरह उन्होंने भी हिंदी के लिए रोमन लिपि लागू करने का प्रस्ताव नहीं रखा।

अबुल कलाम आज़ाद - एक विद्वान और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के रूप में, उनका झुकाव भारत के हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देने और एक शिक्षा प्रणाली स्थापित करने की ओर अधिक था। उन्होंने हिन्दी के लिए रोमन लिपि की वकालत नहीं की।

सुभाष चंद्र बोस - सही उत्तर। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, बोस ने कई अन्य सुधारों के साथ-साथ हिंदी के लिए रोमन लिपि की शुरुआत का सुझाव दिया।

5. भारत के अटॉर्नी-जनरल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
2. उसके पास वही योग्यताएं होनी चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिए आवश्यक है।
3. उसे संसद के किसी भी सदन का सदस्य होना चाहिए।
4. संसद द्वारा महाभियोग चलाकर उसे हटाया जा सकता है।

इनमें से कौन सा कथन सही है?

(a) I और II

(b) I और III

(c) II, III और IV

(d) III और IV

उत्तर – A

व्याख्या-

I. वह भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है:

यह कथन सही है. भारत के अटॉर्नी-जनरल की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76(1) के तहत अटॉर्नी-जनरल की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है।

2. उसके पास वही योग्यताएं होनी चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिए आवश्यक है:

यह कथन भी सही है. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76(1) के अनुसार, भारत के अटॉर्नी-जनरल के पास वही योग्यताएँ होनी चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिए आवश्यक हैं। इसमें भारत का नागरिक होना और कम से कम पांच साल तक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश होना या कम से कम दस साल तक उच्च न्यायालय का वकील होना या एक प्रतिष्ठित न्यायविद् होना शामिल है।

3. उसे संसद के किसी भी सदन का सदस्य होना चाहिए:

यह कथन ग़लत है. भारत के अटॉर्नी-जनरल के लिए संसद के किसी भी सदन का सदस्य होने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं है। सरकार के मंत्रियों के विपरीत, अटॉर्नी-जनरल को संसद का सदस्य होना आवश्यक नहीं है।

4. उन्हें संसद द्वारा महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है:

यह कथन भी गलत है. भारत के अटॉर्नी-जनरल का कार्यकाल संसद द्वारा महाभियोग के अधीन नहीं होता है। अटॉर्नी-जनरल राष्ट्रपति की इच्छा पर कार्य करता है और राष्ट्रपति द्वारा उसे किसी भी समय पद से हटाया जा सकता है।

इसलिए, सही कथन I हैं। वह भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और II उसके पास वही योग्यताएं होनी चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिए आवश्यक हैं।

6. निम्नलिखित में से किस मध्याह्न रेखा के साथ भारत को नई सहस्राब्दी के सूर्योदय की पहली रोशनी का अनुभव हुआ?

A. 2° 30' डब्ल्यू
B. 82° 30' पूर्व
C. 92° 30' डब्ल्यू
D. 92° 30' पूर्व

उत्तर – D

व्याख्या- प्रश्न मेरिडियन की भौगोलिक अवधारणा को संदर्भित करता है, जिसे देशांतर रेखाओं के रूप में भी जाना जाता है, जो उत्तर से दक्षिणी ध्रुव तक चलती हैं। ये मेरिडियन दुनिया भर में समय क्षेत्र निर्धारित करने में मदद करते हैं।

विकल्प I और 3 गलत हैं क्योंकि ये पश्चिमी देशांतर दर्शाते हैं, और भारत पूर्वी गोलार्ध में स्थित है।

विकल्प 2 भारत के मानक मध्याह्न रेखा को संदर्भित करता है, जो 82° 30' पूर्व है, लेकिन यह वह जगह नहीं है जहां भारत ने नई सहस्राब्दी के पहले सूर्योदय का अनुभव किया था।

विकल्प 4 सही है क्योंकि नई सहस्राब्दी के सूर्योदय की पहली किरण भारत के सबसे पूर्वी मध्याह्न रेखा, जो 92° 30' पूर्व, पर अरुणाचल प्रदेश में हुई थी। अत:, विकल्प 4 वास्तव में सही उत्तर है।

7. राज्यों के वित्त मंत्रियों की स्थायी समिति ने जनवरी 2000 में राज्यों के संबंध में एक समान दरों की सिफारिश की

A. मूल्य वर्धित कर
B. बिक्री कर
C. स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क
D. कृषि आयकर

उत्तर – B

व्याख्या- प्रश्न उस कर के बारे में पूछता है जिसे राज्यों के वित्त मंत्रियों की स्थायी समिति ने जनवरी 2000 में राज्यों में एक समान दरें रखने की सलाह दी थी।

विकल्प I – मूल्य वर्धित कर: यह एक प्रकार का उपभोग कर है जो किसी उत्पाद पर तब लगाया जाता है जब उत्पादन के चरण और अंतिम बिक्री पर मूल्य जोड़ा जाता है। समिति ने इसके लिए एक समान दरों की सिफारिश नहीं की।

विकल्प 2 – बिक्री कर: यह बिक्री पर या बिक्री से प्राप्तियों पर लगने वाला कर है। सही उत्तर बिक्री कर है, जो दर्शाता है कि स्थायी समिति ने सभी राज्यों में एक समान बिक्री कर दर रखने का सुझाव दिया है।

विकल्प 3 – स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क: ये कर हैं जो क्रमशः दस्तावेजों और लेनदेन पर लागू होते हैं। समिति ने इनके लिए मानकीकृत दरें प्रस्तावित नहीं कीं।

विकल्प 4 – कृषि आयकर: यह कृषि से प्राप्त आय पर लगने वाला कर है। समिति ने इस कर के लिए एक समान दरों का भी सुझाव नहीं दिया।

8. भारत के विभाजन के समय, ब्रिटिश भारत का निम्नलिखित में से कौन सा प्रांत एकजुट और स्वतंत्र अस्तित्व की योजना के साथ आगे आया था?

A. पंजाब
B. असम
C. बंगाल
D. बिहार

उत्तर - A

व्याख्या- भारत के विभाजन के समय, पंजाब प्रांत एकजुट और स्वतंत्र अस्तित्व की योजना के साथ आगे आया।

- 1947 में भारत के विभाजन पर चर्चा और बातचीत के दौरान, पंजाब के नेताओं ने एक एकजुट और स्वतंत्र पंजाब का विचार प्रस्तावित किया जो भारत और पाकिस्तान दोनों से अलग रहेगा। योजना में पंजाब की अपनी सरकार और प्रशासन के साथ एक अलग और स्वायत्त राज्य के रूप में कल्पना की गई थी।
- हालाँकि, प्रस्ताव के बावजूद, विभाजन के परिणामस्वरूप अंततः पंजाब दो अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित हो गया: पश्चिमी पंजाब, जो पाकिस्तान का हिस्सा बन गया, और पूर्वी पंजाब, जो भारत का हिस्सा बन गया। इस विभाजन के कारण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पलायन, हिंसा और महत्वपूर्ण उथल-पुथल हुई।
- इसलिए, भारत के विभाजन के समय, पंजाब वह प्रांत था जो एकजुट और स्वतंत्र अस्तित्व की योजना के साथ आगे आया।

9. निम्नलिखित पदाधिकारियों पर विचार करें:

I. कैबिनेट सचिव
II. मुख्य चुनाव आयुक्त
III. केंद्रीय कैबिनेट मंत्री
IV. भारत के मुख्य न्यायाधीश

वरीयता क्रम में उनका सही क्रम है

(a) III, IV, II, I
(b) IV, III, I, II
(c) IV, III, II, I
(d) III, IV, I, II

उत्तर - C

व्याख्या-

4. भारत के मुख्य न्यायाधीश:

भारत के मुख्य न्यायाधीश का देश की न्यायिक व्यवस्था में सर्वोच्च स्थान होता है। न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में, भारत के मुख्य न्यायाधीश को वरीयता क्रम में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

3. केंद्रीय कैबिनेट मंत्री:

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सरकार के वरिष्ठ सदस्य होते हैं जिनके पास मंत्री पद होता है और वे विभिन्न विभागों और क्षेत्रों के लिए जिम्मेदार होते हैं। उन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश के बाद अगले स्तर की प्राथमिकता दी जाती है।

2. मुख्य चुनाव आयुक्त:

मुख्य चुनाव आयुक्त भारत के चुनाव आयोग का प्रमुख होता है, जो देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है। केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त को प्राथमिकता दी जाती है।

1. कैबिनेट सचिव:

कैबिनेट सचिव देश में सर्वोच्च रैंकिंग वाला सिविल सेवक है और भारत सरकार के प्रशासनिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। जबकि कैबिनेट सचिव एक महत्वपूर्ण पद है, पदाधिकारी को सूचीबद्ध विकल्पों में सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है।

इसलिए, वरीयता क्रम में सही क्रम है: IV. भारत के मुख्य न्यायाधीश, III. केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, II. मुख्य चुनाव आयुक्त, और I. कैबिनेट सचिव।

10. भारत में वित्त आयोग का प्राथमिक कार्य है

A. केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व वितरित करें
B. वार्षिक बजट तैयार करें
C. वित्तीय मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देना
D. संघ और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों को धन आवंटित करना

उत्तर - A

व्याख्या- भारत में वित्त आयोग का प्राथमिक कार्य केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व वितरित करना है।

- वित्त आयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है। इसकी मुख्य भूमिका केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण की सिफारिश करना है।
- वित्त आयोग विभिन्न कारकों की जांच करता है जैसे सरकार की वित्तीय स्थिति, राजस्व आवश्यकताएं और व्यय पैटर्न, राज्यों की राजकोषीय क्षमता और अन्य प्रासंगिक विचार। अपने विश्लेषण के आधार पर, आयोग केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व, सहायता अनुदान और अन्य वित्तीय संसाधनों के बंटवारे पर सिफारिशें करता है।
- आयोग राज्यों के बीच संतुलित विकास और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय संसाधनों का निष्पक्ष और समान वितरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इसलिए, भारत में वित्त आयोग का प्राथमिक कार्य केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व वितरित करना है।

1. A 2. B

3. C 4. D

उत्तर – (3)

व्याख्या-

1998 में नाटो और वारसॉ संधि देशों के बीच हस्ताक्षरित एक संधि को संदर्भित करता है। सही उत्तर विकल्प 3 है।

35. सूची I. (बिजली उत्पादन संयंत्र) को सूची II. (फ़ीड सामग्री) के साथ सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

सूची- I	**सूची- II**
1. मैसर्स गौतमी सॉल्वेंट्स ऑयल लिमिटेड, आंध्र प्रदेश	(A) चावल की भूसी
2. मैसर्स के.एम. चीनी मिलें, उत्तर प्रदेश	(B) बूचड़खाने का कचरा
3. मैसर्स सतिया पेपर मिल्स, पंजाब	(C) आसवनी खर्च धुलाई
4. मैसर्स अल कबीर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, आंध्र प्रदेश	(D) काली शराब

A. I-C, II-A, III-B, IV-D

B. I-C, II-A, III-D, IV-B

C. I-A, II-C, III-D, IV-B

D. I-A, II-C, III-B, IV-D

उत्तर – (C)

व्याख्या-

सही उत्तर विकल्प 3 है।

विकल्प 3 बिजली उत्पादन संयंत्रों को उनकी सही फ़ीड सामग्री के साथ इस प्रकार जोड़ता है: मेसर्स गौतमी सॉल्वेंट्स ऑयल लिमिटेड, आंध्र प्रदेश चावल की भूसी (ए) का उपयोग करता है; मैसर्स के.एम. चीनी मिलें, उत्तर प्रदेश डिस्टिलरी स्पेंट वॉश (सी) का उपयोग करती हैं; मैसर्स सतिया पेपर मिल्स, पंजाब काली शराब (डी) का उपयोग करता है; मेसर्स अल कबीर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, आंध्र प्रदेश स्लॉटर-हाउस अपशिष्ट (बी) का उपयोग करता है।

36. दिया गया नक्शा किस साम्राज्य को दर्शाता है?

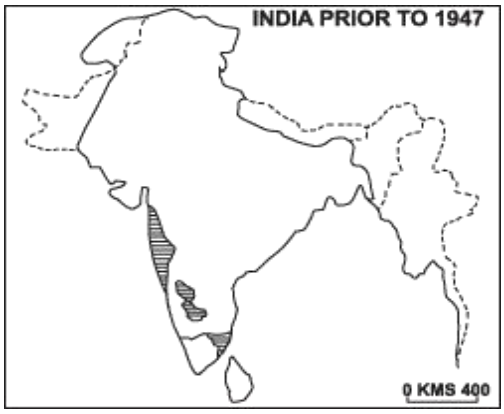

A. 1601 में खानदेश पर कब्ज़ा करने के समय अकबर

B. 1605 में अकबर की मृत्यु के समय

C. हैदराबाद पर कब्जे के समय औरंगजेब

D. 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के समय

उत्तर – (A)

व्याख्या- पूछे गए प्रश्न में, सही उत्तर विकल्प 1 है: 1601 में खानदेश पर कब्ज़ा करने के समय अकबर।

- विकल्प 1 अकबर के राज्य के बारे में बताता है जब उसने 1601 में खानदेश पर कब्ज़ा कर लिया था। खानदेश एक महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे उसने हासिल कर लिया था, इस प्रकार उसने अपने साम्राज्य का विस्तार किया। यह सही उत्तर है क्योंकि दिया गया नक्शा वास्तव में इस विशिष्ट समय में अकबर के शासनकाल के दौरान मुगल साम्राज्य का संदर्भ देता है।
- विकल्प 2 से पता चलता है कि नक्शा 1605 में उसकी मृत्यु के समय अकबर के साम्राज्य को दर्शाता है। जबकि यह अवधि पिछली अवधि के करीब है, 1601 और 1605 के बीच साम्राज्य में क्षेत्रीय परिवर्तन हो सकते थे, जिससे यह विकल्प कम सटीक हो गया।
- विकल्प 3 और 4 विभिन्न चरणों में औरंगजेब के साम्राज्य का उल्लेख करते हैं। औरंगजेब ने अकबर की तुलना में बहुत बाद में, 1658 से 1707 तक शासन किया, और उसके शासन की क्षेत्रीय सीमा अकबर के शासनकाल से भिन्न थी। इसलिए, दिए गए मानचित्र के अनुसार वे सही विकल्प नहीं हैं।

37. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:

1. विजयनगर के कृष्णदेव राय का शासनकाल।
2. कुतुब मीनार का निर्माण.
3. भारत में पुर्तगालियों का आगमन।
4. फ़िरोज़ तुगलक की मृत्यु

A. II, IV, III, I
B. II, IV, I, III
C. IV, II, I, III
D. IV, II, III, I

उत्तर – (A)

व्याख्या- सही उत्तर विकल्प I है जो उल्लिखित ऐतिहासिक घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करता है:

घटना II: कुतुब मीनार का निर्माण दिल्ली सल्तनत के इल्तुतमिश के शासनकाल के दौरान 1220 ईस्वी में पूरा हुआ था।

घटना IV: तुगलक वंश के शासक फिरोज तुगलक ने दिल्ली पर शासन किया और वर्ष 1388 में उनका निधन हो गया।

घटना III: पुर्तगाली भारत में 1498 में आये जब वास्को डी गामा कालीकट में उतरा।

घटना I: कृष्ण देव राय 1509 में विजयनगर साम्राज्य के सिंहासन पर बैठे और 1529 तक शासन किया।

38. दिया गया नक्शा 1, 2, 3, 4 और 5 के रूप में लेबल किए गए हवाई अड्डों के स्थानों को दर्शाता है। उन हवाई अड्डों का सही क्रम क्या है जिनमें दिसंबर 1999 में काठमांडू से अपनी प्रारंभिक उड़ान के बाद अपहृत इंडियन एयरलाइंस का विमान IC-814 उतरा था?

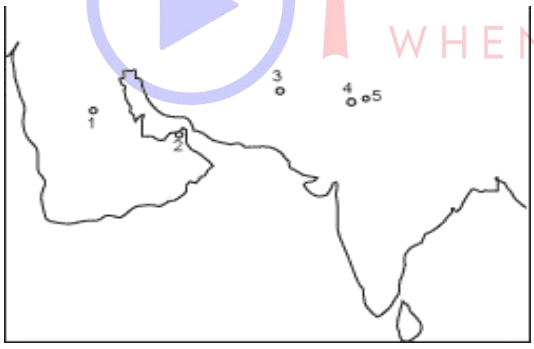

A. 3, 1, 2, 4
B. 2, 4, 1, 3
C. 5, 4, 2, 3
D. 5, 1, 3, 2

उत्तर – (C)

व्याख्या- प्रश्न इंडियन एयरलाइंस की उड़ान आईसी-814 को संदर्भित करता है जिसे दिसंबर 1999 में अपहरण कर लिया गया था।

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: दिसंबर 1999 में आयोजित डब्ल्यूटीओ की मंत्रिस्तरीय बैठक असफल रही क्योंकि इसमें जोड़ने का प्रयास किया गया था।

1. व्यापार को श्रम-संबंधी मुद्दों से
2. पर्यावरण संबंधी मुद्दे.
3. आतंकवाद से संबंधित मुद्दे.
4. ऋण संबंधी मुद्दे.

इनमें से कौन सा कथन सही है?

A. I, III और IV
B. I और II
C. II और III
D. II और IV

उत्तर – (B)

व्याख्या- सही उत्तर I और II है।

दिसंबर 1999 में आयोजित डब्ल्यूटीओ की मंत्रिस्तरीय बैठक असफल रही क्योंकि इसमें व्यापार को श्रम-संबंधी मुद्दों (कथन I) और पर्यावरण-संबंधित मुद्दों (कथन II) के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों में श्रम मानकों और पर्यावरण नियमों को शामिल करने के इन प्रयासों को कुछ सदस्य देशों के विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके कारण बैठक विफल हो गई। कथन III (आतंकवाद से संबंधित मुद्दे) और कथन IV (ऋण से संबंधित मुद्दे) सीधे तौर पर दिसंबर 1999 में डब्ल्यूटीओ की बैठक के दौरान चर्चा की गई चिंताओं से संबंधित नहीं हैं।

40. सूची I को सूची II से सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

सूची I (कलाकार)	सूची II (संगीत वितरका माध्यम)
I. बालामुरली कृष्णा	A. हिंदुस्तानी गायन
II. मीता पंडित	B. घाटम
III. कन्याकूमारी	C. सितार
IV. निखिल बनर्जी	D. वायलिन
	E. कर्नाटक स्वर

A. I-E, II-A, III-B, IV-C
B. I-D, II-C, III-A, IV-E
C. I-C, II-A, III-E, IV-B
D. I-E, II-D, III-A, IV-C

उत्तर – (A)

व्याख्या- बालमुरली कृष्ण कर्नाटक गायन संगीत से जुड़े हैं, इसलिए विकल्प (E) कर्नाटक गायन कलाकार I से मेल खाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर-(c)

व्याख्या-

- संगीत नाटक अकादमी ने 1959 में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की स्थापना की थी। इसलिए, कथन 1 सत्य है।
- साहित्य अकादमी किसी लेखक को सर्वोच्च सम्मान फेलोशिप के रूप में प्रदान करती है। इसलिए, कथन 2 भी सत्य है।

UPSC – 2010

1. प्राचीन भारत में गुप्त काल से सम्बन्धित गुफा चित्रांकन के केवल दो उदाहरण उपलब्ध हैं। इनमें से एक अजन्ता की गुफाओं में किया गया चित्रांकन है। गुप्त काल के चित्रांकन का दूसरा अवशिष्ट उदाहरण किस स्थान पर उपलब्ध है ?

(a) बाघ गुफाएँ

(b) एलोरा गुफाएँ

(c) लोमस ऋषि गुफा

(d) नासिक गुफाएँ

उत्तर- -(a)

व्याख्या-

- गुप्तकाल में भारत में चित्रकला अपने चरम पर थी। उस समय की दो प्रमुख गुफा चित्रकलाओं में अजन्ता की गुफाएं और बाघ की गुफाएं शामिल हैं।

अजंता की गुफाएं

- महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित अजंता की गुफाएं गुप्तकालीन चित्रकला के सर्वोत्तम उदाहरण हैं।
- इन गुफाओं में धार्मिक विषयों पर आधारित चित्र बनाए गए हैं, जैसे बुद्ध और बोधिसत्वों की प्रतिमाएं, जातक कथाओं के दृश्य आदि।
- इन गुफाओं में चित्रों का निर्माण बहुत ही बारीकी और सूक्ष्मता से किया गया है।

बाघ की गुफाएं

- ग्वालियर के पास बाघ नामक स्थान पर स्थित बाघ की गुफाएं भी गुप्तकालीन हैं।
- इन गुफाओं में लौकिक विषयों पर आधारित चित्र बनाए गए हैं, जैसे संगीत और नृत्य के दृश्य, शिकार के दृश्य आदि।
- इन गुफाओं के चित्र अजन्ता की गुफाओं की तुलना में सरल हैं, लेकिन फिर भी वे बहुत ही सुंदर और आकर्षक हैं।

अजंता की गुफाओं के कुछ प्रमुख चित्र

- गुफा संख्या 16 में मरणासन्न राजकुमारी का चित्र
- गुफा संख्या 17 में बुद्ध के जीवन की घटनाओं का चित्रण
- गुफा संख्या 17 में माता और शिशु का चित्र
- बाघ की गुफाओं के कुछ प्रमुख चित्र
- संगीत और नृत्य के दृश्य
- शिकार के दृश्य
- नर्तकियों के दृश्य

2. आरम्भिक मध्ययुगीन समय में भारत में बौद्ध धर्म का पतन किस/किन कारण / कारणों से शुरू हुआ?

1. उस समय तक बुद्ध, विष्णु के अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए।
2. अन्तिम गुप्त राजा के समय तक आक्रमण करने वाली मध्य एशिया की जनजातियों ने हिन्दू धर्म को अपनाया और बौद्धों को सताया।
3. गुप्त वंश के राजाओं ने बौद्ध धर्म का पुरजोर विरोध किया। उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर- (A)

व्याख्या- बौद्ध धर्म के पतन के कारण

- **कर्मकांडों और बुराइयों में फंसना:** बौद्ध धर्म ने शुरू में ही कर्मकांडों और बुराइयों का विरोध किया था, लेकिन समय के साथ वह खुद ही इनमें फंस गया। उसने कई ऐंद्रजालिक प्रक्रियाओं और तन्त्र-मन्त्र पर आधारित कर्मकांडों को अपना लिया। इससे आम जनता को बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म में कोई अंतर नहीं दिखाई दिया, और वे फिर से हिंदू धर्म में लौट गए।
- उस समय तक बुद्ध, विष्णु का अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए।
- **पाली भाषा को छोड़कर संस्कृत को अपनाना:** बौद्ध धर्म ने पाली भाषा को छोड़कर संस्कृत को अपना लिया। इससे बौद्ध धर्म आम लोगों के लिए समझना मुश्किल हो गया।
- **अत्यधिक दान और धन संग्रह:** बौद्ध मठों में अत्यधिक दान और धन संग्रह होने लगा। इससे बौद्ध मठ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गए। बौद्ध भिक्षु आलसी और ऐश्वर्य प्रेमी हो गए, जिससे आम जनता में बौद्ध धर्म की छवि खराब हुई।
- **विभाजन:** बौद्ध धर्म कई सम्प्रदायों में विभाजित हो गया। इससे बौद्ध धर्म की एकता और शक्ति कम हो गई।
- **राजकीय समर्थन की कमी:** बौद्ध धर्म को राजकीय समर्थन नहीं मिला। इसके विपरीत, हिंदू धर्म को राजकीय समर्थन मिला। इससे हिंदू धर्म को बढ़ावा मिला और बौद्ध धर्म को नुकसान हुआ।
- **आक्रमण:** हूण और तुर्क हमलावरों ने बौद्ध मठों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया। इससे बौद्ध धर्म की रही सही अस्मिता भी नष्ट हो गई।

कुल मिलाकर, बौद्ध धर्म के पतन के कई कारण थे। इनमें कर्मकांडों और बुराइयों में फंसना, पाली भाषा को छोड़कर संस्कृत को अपनाना, अत्यधिक दान और धन संग्रह, विभाजन, राजकीय समर्थन की कमी और आक्रमण शामिल हैं।

3. अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण क्या था?

(A) वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निष्कासन का बदला लेना चाहता था
(B) उसे जालन्धर के कुण्ठाग्रस्त राज्यपाल आदीन बेग खान ने पंजाब पर आक्रमण करने के लिए आमन्त्रित किया
(C) वह मुगल प्रशासन को चहार महल (गुजरात, औरंगाबाद, सियालकोट तथा पसरूर) के राजस्व का भुगतान न करने के लिए दण्डित करना चाहता था
(D) वह दिल्ली की सीमाओं तक के पंजाब के सभी उपजाऊ मैदानों को हड़पकर अपने राज्य में विलय करना चाहता था

उत्तर- (A)

व्याख्या- अहमद शाह अब्दाली ने भारत पर इसलिए आक्रमण किया क्योंकि मराठों ने उसके वायसराय तैमूर शाह को लाहौर से निकाल दिया था। अब्दाली ने मराठों को कई बार हराया, जिसमें पानीपत की तीसरी लड़ाई भी शामिल थी। इस लड़ाई में मराठों की हार से उनकी शक्ति कम हो गई।

4. निम्नलिखित में से कौन, भक्ति आन्दोलन का प्रस्तावक नहीं था?

(A) नागार्जुन
(B) तुकाराम
(C) त्यागराज
(D) वल्लभाचार्य

उत्तर- (A)

व्याख्या- भक्ति आंदोलन के शुरू करने वाले नागार्जुन नहीं थे। तुकाराम महाराष्ट्र के पंढरपुर के रहने वाले थे। वे विट्ठल के बड़े भक्त थे। वे बरकरी संप्रदाय से जुड़े थे। वे शिवाजी के समकालीन थे।

- वल्लभाचार्य 15वीं और 16वीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन से जुड़े थे। उन्होंने शुद्धाद्वैतवाद की शिक्षा दी। वे कृष्ण के भक्त थे। उनका मानना था कि ईश्वर शुद्ध है और बदलता नहीं है। उनका मानना था कि गृहस्थ जीवन में भी भक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। उनका मत पुष्टिमार्ग या दया के मार्ग के नाम से भी जाना जाता है।
- त्यागराज भक्ति आंदोलन से जुड़े थे। उन्होंने अपने संगीत के माध्यम से दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन को बढ़ावा दिया था।

5. साइमन कमीशन की संस्तुतियों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

(A) इसने प्रान्तों में द्वैधशासन के उत्तरदायी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित करने की संस्तुति की

(B) इसने गृह विभाग के अधीन अन्तर-प्रान्तीय परिषद् स्थापित करने का सुझाव दिया

(C) इसने केन्द्र में द्विसदन विधायिका के उन्मूलन का सुझाव

(D) इसने भारतीय पुलिस सेवा इस प्रावधान के साथ सृजित करने की संस्तुति की कि ब्रिटिश भर्ती का, भारतीय भर्ती की तुलना में वेतन तथा भत्ता अधिक होगा

उत्तर- (A)

व्याख्या- 1927 में, ब्रिटिश सरकार ने सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में एक आयोग बनाया। इस आयोग का काम यह पता लगाना था कि भारत को और कौन से संवैधानिक अधिकार दिए जाने चाहिए। लेकिन इस आयोग में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था। इससे भारतीय लोगों में बहुत गुस्सा आ गया। कांग्रेस और मुस्लिम लीग सहित सभी राजनीतिक दलों ने इस आयोग का बहिष्कार कर दिया। साइमन कमीशन ने प्रान्तों में द्वैध शासन के उत्तरदायी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित करने की संस्तुति की थी।

6. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के, वर्ष 1906 में विख्यात कलकत्ता अधिवेशन में चार संकल्प पारित किए गए थे। सूरत 1907 ई० में हुए कांग्रेस के अगले अधिवेशन में इन चारों संकल्पों को स्वीकार करने अथवा उन्हें अस्वीकृत करने के प्रश्न पर कांग्रेस में विभाजन हो गया था। निम्नलिखित में से कौन-सा एक संकल्प इन चारों संकल्पों में नहीं था?

(A) बंगाल के विभाजन को रद्द करना

(B) बहिष्कार (बायकॉट)

(C) राष्ट्रीय शिक्षा

(D) स्वदेशी

उत्तर- (A)

व्याख्या-

- 1906 में कलकत्ता में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में, भारतीयों ने चार प्रस्ताव पारित किए। ये प्रस्ताव स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा और स्वशासन के बारे में थे। इनमें से कोई भी प्रस्ताव बंगाल के विभाजन को रद्द करने के बारे में नहीं था।
- 1907 में सूरत में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में, इन चार प्रस्तावों को स्वीकार करने या अस्वीकार करने के बारे में मतभेद हो गए। इस मतभेद के कारण, कांग्रेस दो भागों में विभाजित हो गई।

7. भारत छोड़ो आन्दोलन के उपरान्त, सी० राजगोपालाचारी ने 'दी वे-आउट' नामक पैम्फलेट जारी किया। निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रस्ताव इस पैम्फलेट में था?

(A) ब्रिटिश भारत तथा भारतीय राज्यों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक 'युद्ध सलाहकार परिषद्' की स्थापना

(B) केन्द्रीय कार्यकारी परिषद् का इस प्रकार पुनर्गठन कि गवर्नर-जनरल तथा कमाण्डर-इन-चीफ के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य भारतीय नेता हों

(C) केन्द्रीय तथा प्रान्तीय विधानमण्डलों के 1945 के अन्त में नए चुनाव कराए जाएँ तथा संविधान का निर्माण करने वाले निकाय को यथासम्भव शीघ्र आयोजित किया जाए

(D) संवैधानिक गतिरोध का हल

उत्तर- (D)

व्याख्या- भारत छोड़ो आंदोलन के बाद, सी. राजगोपालाचारी ने एक योजना बनाई जिससे भारत को स्वतंत्रता मिल सके। इस योजना को "द वे-आउट" कहा गया। इसका प्रमुख उद्देश्य संवैधानिक गतिरोध को हल करना है। इस योजना के तहत, मुस्लिम लीग को भारत की स्वतंत्रता की मांग का समर्थन करना था और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनानी थी। युद्ध के बाद, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में जनमत संग्रह कराया जाना था ताकि यह पता चल सके कि वे भारत के साथ रहना चाहते हैं या अलग राज्य बनाना चाहते हैं। अगर भारत का विभाजन हुआ, तो रक्षा, संचार और अन्य आवश्यक मामलों पर एक समझौता किया जाना था।

8. 1931 ई० में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के लिए, जिसकी अध्यक्षता सरदार पटेल कर रहे थे, किसने मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प प्रास्पित किया था?

(A) महात्मा गाँधी

(B) पण्डित जवाहरलाल नेहरू

(C) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(D) डॉ० बी०आर० अम्बेडकर

उत्तर- (B)

व्याख्या-

1931 में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक अधिवेशन सरदार वल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में कराची में हुआ था। इस अधिवेशन में दो प्रस्ताव पारित किए गए थे:

- पहला प्रस्ताव जवाहरलाल नेहरू द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें मूल अधिकारों और आर्थिक कार्यक्रम की रूपरेखा थी। इस प्रस्ताव को अधिवेशन में स्वीकार कर लिया गया।

कथन 2: "राष्ट्रीय पुनर्वास एवं पुनः स्थापन नीति 2007 का निरूपण भूमि संसाधन विभाग द्वारा होता है।"

यह कथन भी गलत है क्योंकि यह नीति का निरूपण ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

इसलिए, दोनों कथन गलत हैं।

149. बाल-अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. विकास का अधिकार
2. अभिव्यक्ति का अधिकार
3. मनोरंजन का अधिकार

उपरोक्त में से कौन-सा/से बाल-अधिकार है/हैं ?

(A) केवल 1

(B) 1 और 3

(C) 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

उत्तर- (D)

व्याख्या- बाल अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र का सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र ने 1989 में बाल अधिकार पर एक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में सभी देशों ने सहमति व्यक्त की कि बच्चों को भी सभी मानव अधिकारों का अधिकार है। इन अधिकारों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षा, और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता शामिल है।

बाल अधिकार के तीन मुख्य अंग

- बाल अधिकार को तीन मुख्य अंगों में बांटा जा सकता है:
- विकास का अधिकार: हर बच्चे को शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रूप से विकसित होने का अधिकार है।
- अभिव्यक्ति का अधिकार: हर बच्चे को अपनी राय और विचार व्यक्त करने का अधिकार है।
- मनोरंजन का अधिकार: हर बच्चे को खेलने और मनोरंजन करने का अधिकार है।

150. भारत में जिला स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कौन-सा एक कथन सही नहीं है?

(A) राज्य सरकार यदि उपयुक्त समझे तो वह जिले में एक से अधिक जिला फोरम स्थापित कर सकती है

(B) जिला फोरम की कोई एक सदस्य महिला होनी चाहिए

(C) जिला फोरम उन्हीं शिकायतों की सुनवाई करता है जिनमें माल या सेवाओं का कुल मूल्य पचास लाख रुपए से अधिक नहीं होता

(D) उपभोक्ताओं के हितों का सामान्य प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य सरकार जिला फोरम के सम्मुख बच हुए माल या दी गई सेवाओं के सम्बन्ध में शिकायत दर्ज कर सकती है।

उत्तर- (C)

व्याख्या- "उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत, सभी राज्य सरकारें अपने जिलों में 'उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम' की स्थापना करती हैं। राज्य सरकार, अगर वह आवश्यक मानती है, तो विभिन्न जिलों में एक से अधिक जिला फोरम बना सकती है।

प्रत्येक जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम में एक व्यक्ति रहता है जो वर्तमान जिला जज (District Judge) है, या उसके बराबर योग्यता रखता है। वह इस फोरम के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, फोरम के दो अन्य सदस्य होते हैं, जिनमें से कम से कम एक सदस्य महिला होती है। जिला फोरम केवल उन शिकायतों की सुनवाई करता है जिनमें माल या सेवाओं का कुल मूल्य 20 लाख रुपये से अधिक नहीं होता। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार उन शिकायतों को फोरम के सामने ला सकती है जो माल या सेवाओं के साथ होती हैं। इसके अलावा, विकल्प (c) होगा।"

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKj14nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

whatsapp - https://wa.link/0o4i74 1 web.- https://shorturl.at/lsOW7

FREE SAMPLE

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
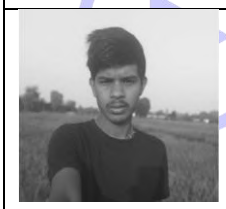	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.-Biramganj, Dis.-Raisen, MP
N.A.	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A.	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
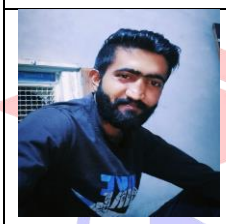	**Govinda Jangir**	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A.	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A.	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A.	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A.	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A.	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
	Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A.	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A.	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota

And many others.....

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/0o4i74

Online order करें – https://shorturl.at/lsOW7

FREE SAMPLE

Call करें – 9887809083